पर्यटन अध्ययन

बी.टी.एस.
द्वितीय वर्ष

सत्रीय कार्य पुस्तिका
(2010-11)

टीएस - 4 और टीएस - 5

पर्यटन एवं आतिथ्य सेवा प्रबंध विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली-110068

सत्रीय कार्य

बीटीएस

(पर्यटन अध्ययन)

प्रिय विद्यार्थी,

आपको पर्यटन अध्ययन के प्रत्येक पाठ्यक्रम में एक अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए) करना है।

सत्रीय कार्यों को करने से पहले कृपया पर्यटन अध्ययन की कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें। हम आपको टीएस - 4 और टीएस - 5 के सत्रीय कार्य भेज रहे हैं।

नोटः सभी सत्रीय कार्यों को **समय पर अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक को भेजें।** अपने सत्रीय कार्य के मुखपृष्ठ पर अपनी नामांकन संख्या, नाम, पता, सत्रीय कार्य कोड एवं अध्ययन केंद्र कोड लिखें।

जमा कराए गए सत्रीय कार्य के बदले में अपने अध्ययन केंद्र से उसकी रसीद प्राप्त कर लें। यदि संभव हो तो सत्रीय कार्य की एक प्रति अपने पास रखें।

मूल्यांकन के बाद अध्ययन केंद्र द्वारा आपको सत्रीय कार्य वापस भेजा जाना अपेक्षित है। कृपया इसके लिए अनुरोध करें और रिकॉर्ड के रूप में इसे अपने पास रखें। अध्ययन केंद्र सत्रीय कार्यों के अंकों को विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग (SED), इग्नू, नई दिल्ली को भेजता है।

सत्रीय कार्य करने के लिए निर्देश

हम आपसे प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500-700 शब्दों अथवा सत्रीय कार्य में किए गए उल्लेख के अनुसार देने की आशा करते हैं। इसके लिए निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखना आपके लिए उपयोगी होगाः

1. **योजना बनानाः** सत्रीय कार्यों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। उन इकाइयों का अध्ययन करें जिन पर ये सत्रीय कार्य आधारित हैं। प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ बातें नोट कर लें और तत्पश्चात् उन्हें तर्कसंगत क्रम से व्यवस्थित करें।
2. **संगठनः** अपने उत्तरों की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले उनके चयन और विश्लेषण पर थोड़ा अधिक ध्यान दें। निबंध जैसे किसी प्रश्न का उत्तर देते समय प्रस्तावना और निष्कर्ष पर पर्याप्त ध्यान दें।

यह सुनिश्चित करें किः

क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत है।

ख) उत्तर के वाक्यों और अनुच्छेदों/पैराग्राफों के बीच स्पष्ट संबंध है।

ग) आपने अपनी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति को उपयुक्त महत्व देते हुए उत्तर सही-सही लिखा है।

3. **प्रस्तुतिः** जब आपको अपने उत्तर संतोषजनक लगें तो आप उन्हें भेजने के लिए अंतिम रूप देकर लिख लें। प्रत्येक उत्तर स्पष्ट रूप से लिखें और जिन बिंदुओं पर आप जोर देना चाहते हैं उन्हें रेखांकित करें।

शुभकामनाओं सहित,

अरविन्द कुमार दुबे

कार्यक्रम संयोजक, बीटीएस, डीटीएस, सीटीएस

सत्रीय कार्य जमा कराने की अनुसूची

अनिवार्य पाठ्यक्रम	जनवरी सत्र के लिए अंतिम तिथि	जुलाई सत्र के लिए अंतिम तिथि
टीएस - 4	30 अप्रैल, 2010	31 अक्तूबर, 2010
टीएस - 5	31 अक्तूबर, 2010	30 अप्रैल, 2011

टी एस - 4 : भारतीय संस्कृतिः पर्यटन के लिए परिप्रेक्ष्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः टी.एस-4
सत्रीय कार्य कोडः टीएस-4/टीएमए/2010-11
कुल अंकः 100

नोटः इस टीएमए में दो भाग हैं।

भाग-I में दो प्रश्न दिए गए हैं जिनमें से आपको किसी एक प्रश्न का उत्तर देना है। यह प्रश्न 25 अंक का है। इसका उत्तर लगभग 700 शब्दों में दें।

भाग-II में 10 प्रश्न हैं। इनमें से किन्हीं 5 प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है।

इस अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य को अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक को भेजें।

भाग-I

1. भारतीय सांस्कृतिक परंपरा (हेरिटेज) की विशेषताओं पर निबंध लिखिए 25

अथवा

2. भारतीय नाटकों की विभिन्न परंपराओं का विस्तार से वर्णन कीजिए। 25

भाग-II

1. "संस्कृति के संरक्षण" से आप क्या समझते हैं? 15
2. भारत में सांस्कृतिक पर्यटन द्वारा किस मूल दुविधा का सामना किया जाता है? 15
3. गुप्त काल और गुप्तोत्तर काल के दौरान सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन का वर्णन कीजिए। 15
4. संप्रदाय (पथ/मत) से आप क्या समझते हैं? 15
5. पर्यटन के क्षेत्र में "कुभ मेला" के महत्व और भूमिका की चर्चा कीजिए। 15
6. भारत की शिलावास्तु वास्तुकला (स्थापत्यकला) की चर्चा कीजिए। 15
7. भारतीय मूर्तिकला के विविध रूप और प्रकार क्या हैं? 15
8. भारत के परिपक्व हड़प्पा स्थलों की पर्यटन संभाव्यता की चर्चा कीजिए। 15
9. "हस्तशिल्पों के वस्तुकरण" से क्या अभिप्राय है? बताइए कि यह कैसे किया जाता है? 15
10. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए। प्रत्येक टिप्पणी लगभग 200 शब्दों की होनी चाहिएः (3 x 5 = 15)

    (क) भारत का दैनिक (day) शिल्प और मृदभाड (कुंभकारी)

    (ख) भारत के विभिन्न बुनाई प्रतिरूप (नमूने)

    (ग) जनजातीय पहचान और इसकी रचना

    (घ) पर्यटन और संस्कृति के बीच संबंध

    (च) पर्यटन में मीडिया (जनसंचार) की भूमिका

टी एस - 5 : पारिस्थितिकी, पर्यावरण और पर्यटन

(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः टी.एस-5
सत्रीय कार्य कोडः टीएस-5/टीएमए/2010-11
कुल अंकः 100

नोटः इस टीएमए में दो भाग हैं।

भाग-I में दो प्रश्न दिए गए हैं जिनमें से आपको किसी एक प्रश्न का उत्तर देना है। यह प्रश्न 25 अंक का है। इसका उत्तर लगभग 700 शब्दों में दें।

भाग-II में 8 प्रश्न हैं। इनमें से किन्हीं 5 प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का है।

इस अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य को अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक को भेजें।

भाग-I

1. "वहन क्षमता" से आप क्या समझते हैं? पर्यटन के संदर्भ में इसकी चर्चा कीजिए। 25

अथवा

2. बायोम (जीवोम) को परिभाषित कीजिए। विश्व के विविध प्रकार के स्थलीय और जलीय बायोमों का वर्णन कीजिए। 25

भाग-II

1. "परिरक्षण" और "संरक्षण" से आप क्या समझते हैं? पर्यटन विकास में उनके महत्व की चर्चा कीजिए। 15
2. उपयुक्त उदाहरण देते हुए वैकल्पिक पर्यटन की संकल्पना पर प्रकाश डालिए। 15
3. पर्यावरण, खासतौर से वन्य जीवन पर पर्यटन के प्रभाव की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए। 15
4. पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए भारत सरकार द्वारा पारित (स्वीकृत) कुछ प्रमुख अधिनियमों का संक्षेप में वर्णन कीजिए। 15
5. पर्यटन पारिस्थितिकी तंत्र से किस प्रकार संबंधित है? दोनों के बीच सहलग्नता की विवेचना कीजिए। 15
6. पर्यटन विकास गतिविधियों में स्थानीय जनसमुदाय (आबादी) की सहभागिता के महत्व का उल्लेख कीजिए। 15
7. पर्यटन स्थलों पर आगंतुक (पर्यटक) व्यवहार वहाँ के पर्यावरण को किस प्रकार प्रभावित करता है? चर्चा कीजिए। 15
8. निम्नलिखित प्रत्येक पर 200 शब्दों में टिप्पणी लिखिएः (3 x 5 = 15)

   (क) गुणक प्रभाव

   (ख) अंतःसंस्कृति (सांस्कृतिक) विनिमय

   (ग) जैव-विविधता